

पत्र सूचना शाखा  
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

**संगीत कला के क्षेत्र में स्व० समर बहादुर सिंह का योगदान अतुलनीय है - राज्यपाल**

लखनऊ 22 फरवरी, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज स्व० समर बहादुर सिंह की स्मृति में रण समर फाउण्डेशन द्वारा आयोजित मानस संध्या में कहा कि आज का कार्यक्रम संगीत प्रधान कार्यक्रम है। स्व० समर बहादुर की पुण्य तिथि पर उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संगीत कला के क्षेत्र में स्व० समर बहादुर सिंह का योगदान अतुलनीय है। इस अवसर पर फाउण्डेशन की अध्यक्ष श्रीमती आभा सिंह ने स्व० समर बहादुर सिंह द्वारा गीतबद्ध रामचरित मानस की सी०डी० राज्यपाल को भेंट की। कार्यक्रम में महापौर लखनऊ डॉ० दिनेश शर्मा, रण समर फाउण्डेशन के समस्त पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में भातखण्डे संगीत सम विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर ने अपना गायन भी प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने कहा कि "आज संत रविदास जयंती है। भारतीय संस्कृति में उनके रिश्ते बताने की जरूरत नहीं। मैं ऐसे महान व्यक्तित्व वाले संत रविदास को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। राज्यपाल ने कहा कि वाल्मिकी का रामायण अद्भुत ग्रंथ है। तुलसीदास की रामचरित मानस की सहजता अप्रतिम है जिसके कारण वह बहुत लोकप्रिय है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन अनुकरणीय है। लोग एक-दूसरे का अभिवादन राम-राम करके करते हैं और मृत्यु पर भी राम का नाम लेते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे रामचरित मानस को गीतबद्ध करना वास्तव में बड़ा एवं प्रशंसनीय काम है।

महापौर डॉ० दिनेश शर्मा ने स्व० समर बहादुर सिंह को नमन करते हुए कहा कि मनुष्य के रूप में पैदा होना भाग्य की बात है। भारतवर्ष में पैदा होना सौभाग्य की बात है। मृत्यु का आना समय की बात है मगर मृत्यु उपरान्त याद करना कर्म की बात है। उन्होंने कहा कि स्व० समर बहादुर सिंह कुछ ऐसे ही व्यक्तित्व के मालिक थे।

-----

अंजुम/ललित/राजभवन(69/28)



